अध्याय 8

कलीसिया

कई सुन्दर इमारतें, धर्म पीठ, शान्ति मिशन संस्थाएं एवं झोंपड़ियां हैं जिनका नाम "कलीसिया" रखा गया है। इनमें मीनार, क्रूस, घन्टियां, गुम्बट लगे हुए हैं जो अपने अनुसार से लोगों का ध्यान आकर्षित यूं करते हैं "यह एक कलीसिया है।" ये मनुष्य के द्वारा बनायी गयी संरचनाएं शाब्दिक अर्थ में कलीसियाएं हैं किन्तु नये नियम में बताई गई कलीसिया कुछ और ही है।

व्यापक अर्थ में कलीसिया का अर्थ विश्वासियों का समूह है। यह प्रभु यीशु मसीह की देह कहलाती है इनमें परमेश्वर अपनी आत्मा के द्वारा निवास करता है। पाठ नं. ७ में हमने पवित्र आत्मा एवं उसके कार्य के विषय में अध्ययन किया। इन कार्यों में से एक जिसे दर्शाया नहीं गया वह यह है कि वह कलीसिया को एकता प्रदान करता है। इफिसियों ४:३ कहता है, "और मेल के बन्ध में आत्मा की एकता रखने का यत्न करो।"

इस पाठ में हम अध्ययन करेंगे कलीसिया क्या-क्या है, इसे क्या करना चाहिए और इसका क्या होने जा रहा है। बाइबल ही हमें, फिर सही उत्तर देगी।

इस पाठ में आप अध्ययन करेंगे....

इसके नाम
इसकी धर्म विधियां (नियम)
इसकी सेवा-उद्देश्य
इसका भविष्य

यह पाठ आपकी सहायता करेगा कि आप ....

- मसीह की कलीसिया का वर्णन कर सकें।
- कलीसिया की सेवा-उद्देश्य के प्रति अपने को सौंप दें।
- कलीसिया के भविष्य के कार्य की व्यवस्था कर सकें।

इसके नाम

उद्देश्य १. कलीसिया के कई नामों की सूची तैयार करें।

जब आप इन शब्दों को जैसे देह, इमारत, दुल्हन, परिवार सुनें तो क्या ये कोई सामान्यता प्रगट करते हैं? ये सभी शब्द लोगों को दशति हैं और धर्म शास्त्र की भाषा में ये शब्द विशेष लोगों के लिए विशेष समूह को दशति हैं — जो परमेश्वर के परिवार को बढ़ाते हैं।

कलीसिया की तुलना देह से की गई है, जिसका सिर मसीह है। कुलुस्सियों १:१८ कहता है, "वह अपनी देह अर्थात् कलीसिया का सिर है; वह देह के जीवन का स्रोत है।"

"और सब कुछ उसके पांव तले कर दिया गया और उसे सब वस्तुओं पर शिरोमणि ठहरा कर कलीसिया को दे दिया। यह उसकी देह है और उसकी परिपूर्णता है जो सब में सब कुछ पूर्ण करता है" (इफिसियों १:२२, २३)

"आप सब मसीह की देह हैं, और प्रत्येक उसका एक अंग है" (१ कुरिन्थियों १२:२७) बाइबल में कलीसिया की तुलना एक इमारत से भी की गई है जो कि प्रभु के लिये मन्दिर के रूप में समर्पित है।

और प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की नींव पर जिसके कोने का पत्थर मसीह यीशु आप ही है, बनाये गये हो। जिसमें सारी रचना एक साथ मिलकर प्रभु में एक पवित्र मन्दिर बनती है जिसमें तुम भी आत्मा के द्वारा परमेश्वर का निवास स्थान होने के लिये एक साथ बनाये जाते हो (इफिसियों २:२०-२२)।

दूसरा नाम जो कलीसिया को दिया गया है वह मसीह की दुल्हन। बाइबल यीशु को मेम्ना कहती है और बताती है कि कलीसिया दुल्हन है जिसका विवाह उसके साथ होगा। प्रकाशित वाक्य २१:९ कहता है, "इधर आ मैं तुझे दुल्हन अर्थात् मेम्ने की पत्नी दिखाऊंगा" "क्योंकि मेम्ने का ब्याह

आ पहुंचा और उसकी पत्नी ने अपने आप को तैयार कर लिया है" (प्रकाशित वाक्य १९:७) । इफिसियों ५:२५ में मसीह की तुलना पति से और कलीसिया की तुलना पत्नी से की गई है। "हे पतियो अपनी अपनी पत्नी से प्रेम रखो जैसा मसीह ने भी कलीसिया से प्रेम करके अपने आपको उसके लिये दे दिया।"

जैसे-जैसे आप बाइबल का अध्ययन करेंगे तो आप और तुलनाएं पायेंगे। महत्वपूर्ण बात जो हमें याद रखनी है वह यह है कि कलीसिया उन सभी लोगों से बनी हुई है जो सचमुच नया जीवन प्राप्त, मसीह का अनुसरण करने वाले हैं। यह एक बढ़ता हुआ झुण्ड है, "और वह परमेश्वर की स्तुति करते थे और सब लोग उनसे प्रसन्न थे और जो उद्धार पाते थे उनको प्रभु प्रतिदिन उनमें मिला देता था।" (प्रेरितों के काम २:४७) ।

• • •

जो आपको करना है

१. नीचे दिये गये पदों को पढ़ें और इनमें दिये गये शीर्षक को इनके पीछे लिखें।

अ. भजन संहिता १४९:१

ब. १ पतरस ५:२

स. भजन संहिता ८९:७

ड. इफिसियों २:१९

इसकी धर्म विधियाँ

उद्देश्य २. कलीसिया के दो धर्म विधियों के नाम बतायें।

अब जब कि हमें ज्ञात है कि कलीसिया कौन है, इसकी धर्म विधियों को समझना महत्वपूर्ण है। विधि एक नियम है जो किसी अधिकारी के द्वारा बनाया जाता है। कलीसिया की धर्म विधियां पानी का बपतिस्मा और भोज संगति है जिसे हम प्रभु भोज भी कहते हैं।

यीशु ने स्वयं इन धर्म विधियों की स्थापना की। उसकी अन्तिम आज्ञा अपने सभी शिष्यों के लिए थी। "इसलिये तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो" (मत्ती २८:१९)। पानी के बपतिस्मे का एक विशेष महत्व है।

और उसी के साथ बपतिस्मा में गाड़े गये और उसी में परमेश्वर की शक्ति पर विश्वास करके जिसने उसको मरे हुओ में से जिलाया उसके साथ जी भी उठे (कुलुस्सियों २:१२)।

एक विश्वासी के रूप में आप पानी के बपतिस्मे को मसीह में नये जीवन की गवाही के रूप में लेना चाहेंगे। आप भोज संगति में भी भाग लेना चाहेंगे।

भोज संगति, प्रभु भोज या अन्तिम भोज, यीशु की अपने बारह चेलों के साथ की वह अन्तिम सभा थी जो उसके रोमी सिपाहियों के द्वारा पकड़वाये जाने के पहले बुलाई गई थी। हम प्रभु भोज को यीशु के मरणोत्सव मनाने के लिये लेते हैं "क्योंकि जब कभी तुम यह रोटी खाते और इस कटोरे में से पीते हो तो प्रभु की मृत्यु का जब तक वह न आये प्रचार करते रहो" (१ कुरिन्थियों ११:२६)।

क्योंकि यह बात मुझे प्रभु से पहुंची और मैंने तुम्हें भी पहुंचा दी कि प्रभु यीशु ने, जिस रात वह पकड़वाया गया, रोटी ली और धन्यवाद करके तोड़ी और कहा कि "ये मेरी देह है जो तुम्हारे लिये है, मेरे स्मरण के लिये यही किया करो।" इसी रीति से उसने बियारी के पीछे कटोरा भी लिया और कहा "यह कटोरा मेरे लोहू में नई वाचा है जब कभी पीओ तो मेरे स्मरण के लिए यही किया करो" (१ कुरिन्थियों ११:२३-२५)।

जो आपको करना है

२. कलीसिया की दो धर्म विधियां कौन सी हैं जो यीशु के द्वारा दी गई है?

....

....

३. इस वाक्य को भली भांति पूर्ण करने वाले उत्तर का चुनाव करें। मत्ती २८:१९ के अनुसार पानी का बपतिस्मा :

अ. उन सब के लिये है जो मसीही परिवार में पैदा होते हैं।

ब. उनके लिये हैं जिन्होंने मसीह पर विश्वास करके उसका अनुसरण करते हैं।

स. उनके लिये जो कलीसिया में सम्मिलित होते हैं।

४. नीचे दिये वाक्य को भली भांति पूर्ण करने वाले कथनों के सामने के अक्षर में वृत्त खींच दीजिए। पवित्र भोज :

अ. कलीसिया की एक धर्म विधि है।

ब. मसीह की देह और लोहू को खाना है।

स. यीशु के बलिदान को याद करना है।

ड. सारे विश्वासियों के लिए है।

सेवा उद्देश्य

उद्देश्य ३. कलीसिया की सेवा-उद्देश्य की पहचान करना।

कलीसिया की सेवा-उद्देश्य समस्त मनुष्य जातियों में सुसमाचार का प्रचार करना है। पिता के पास वापस जाने से पहले यीशु ने स्वयं यह आज्ञा दी।

तब उसने पवित्र शास्त्र बूझने के लिये उनकी समझ खोल दी और उनसे कहा, "यूं लिखा है कि मसीह दुख उठायेगा और तीसरे दिन मरे हुओं में से जी उठेगा और यरूशलेम से लेकर सब जातियों में मन फिराव और पापों की क्षमा का प्रचार उसी के नाम से किया जायेगा (लूका २४:४५-४७)।

जो आपको करना है

५. नीचे लिखे वाक्य को भली भांति पूर्ण करने वाले प्रत्येक कथन के सामने के अक्षर में वृत्त खींच दीजिए।

अ. यीशु के दुःख उठाने और मृत्यु के विषय में बतायें।

ब. पश्चात्ताप और पापों की क्षमा के विषय में प्रचार करें।

स. समस्त जातियों में यीशु के विषय में बतायें।

इसका भविष्य

उद्देश्य ४. कलीसिया के विषय में बताने वाले कथनों का चुनाव करना।

मसीह ने कलीसिया से प्रेम किया और उसके लिए अपना प्राण भी दे दिया। किस लिए?

कि उसके वचन के द्वारा जल के स्नान से शुद्ध कर के पवित्र बनाये और उसे एक ऐसी तेजस्वी कलीसिया बनाकर अपने पास खड़ी करे जिसमें न कलंक, न झुर्री, न कोई ऐसी वस्तु हो वरन् पवित्र और निर्दोष हो (इफिसियों ५:२६-२७)

कलीसिया परमेश्वर की स्तुति स्वर्ग में और पृथ्वी में (जहां वे यीशु के साथ राज्य करेगी) करेगी।

और उन्हें हमारे परमेश्वर के लिए एक राज्य और याजक बनाया और वे पृथ्वी पर राज्य करते हैं .... फिर मैंने स्वर्ग में और पृथ्वी पर और पृथ्वी के नीचे और समुद्र की सब सृजी हुई वस्तुओं को कहते सुना कि जो सिंहासन पर बैठा है उसका और मेम्ने का धन्यवाद और आदर, और महिमा और राज्य युगानुयुग रहे। (प्रकाशित वाक्य ५:१०-१३)

जो आपको करना है

६. नीचे लिखे सही कथनों के सामने के अक्षर में वृत्त खींच दीजिये।

अ. अनन्त काल तक हमें कोई कार्य नहीं करना पड़ेगा।

ब. कलीसिया मसीह के साथ सर्वदा रहेगी।

स. कलीसिया परमेश्वर की सेवा पृथ्वी के याजकों एवं हाकिमों की तरह करेगी।

अपने उत्तरों की जांच करें

१. अ. उसके विश्वास योग्य लोगों की सभा

ब. झुण्ड

स. पवित्र लोग

ड. नागरिक, परमेश्वर के लोग, परमेश्वर का परिवार

४. आपको वृत्त खींचना चाहिए था (अ.) (स.) (ड.)। उत्तर (ब.) सही नहीं है क्योंकि हम वास्तविक रूप में यीशु की देह को नहो खाते न ही उसके लोहू को पीते हैं। रोटी और दाखरस उसकी देह और लोहू के प्रतीक हैं।

२. पानी का बपतिस्मा और भोज संगति (या प्रभु भोज)।

५. आपको सभी अक्षरों में वृत्त खींचना चाहिए था क्योंकि सभी सही हैं।

३. ब. जो मसीह पर विश्वास करके उसका अनुसरण करते हैं।

६. ब. सही

स. सही

अब जबकि आपने प्रथम आठ पाठों का अध्ययन पूर्ण कर लिया है अब आप अपने छात्र रिपोर्ट के प्रथम भाग का उत्तर देने के लिए तैयार है। पाठ एक से आठ तक दोहराये, तब अपने उत्तर पृष्ठ को भरने के लिए अपनी छात्र रिपोर्ट में दिये गये निर्देशन का पालन करें। अपने उत्तर पृष्ठ को छात्र रिपोर्ट के अन्तिम पृष्ठ में दिये गये पते पर वापस भेज दें।

आपकी टिप्पणी के लिए